Court Matter

पुत्र की बलि देने वाले पिता को हुआ आजीवन कारावास

न्यायसाक्षी@रायगढ़। तंत्र मंत्र के चक्कर में पड़ कर अपने ही बेटे की गला रेत कर बलि देने वाले पिता को आज विशेष न्यायाधीश ने आजीवन कारावास व पांच हजार के अर्थदंड से दंडित किया। नर बली के इस बहुचर्ति मामले में यह एक ऐतिहासिक फैसला है, जिसमें बलि चढाने वाला स्वयं बच्चे का पिता था। विदित हो कि, रायगढ़ जिले में पहले भी कई नरबली की घटनाए हुयी और फांसी तक की सजायें सुनायी जा चुकी है। लेकिन पिता-पुत्र के इस अजीबों गरीब मामले ने सब को चौका दिया, वह भी अंधविश्वास से वशीभूत हो कर हत्या जैसा जघन्य अपराध करना अपने आप में हैरतअगेंज कारनामा है, इसके पहले अविभाजित रायगढ़ जिले में चार दशक पहले अच्छी फसल पाने के लिये औड़का देवता को प्रसन्न करने इस प्रकार की बलि दी जाती थी और मृतक के खून को खेतों में छिड़काव किया जाता था, परंतु बदलते परिवेश व समय ने इस अंधविश्वासी परंपरा को समाप्त कर दिया कलयुग में तो यह असंभव है कम से कम तीन दशको से तो इस प्रकार के मामले का कोई दूसरा उदाहरण देखने मे नही आया। इस मामले में 7 जनवरी 16 को आरोपी रणविजय भारती कोतरा रोड़ ने अपने बेटे चंदन भारती की चाकू से गला रेत कर हत्या कर दी। उसकी लाश गोरखा के पास हुंडई शो रुम के पीछे के टिकरा में पड़े पाया गया। जिसके पास आरोपी का झोला व पूजा पाठ का समान भी पड़ा था तथा जादू टोना की किताब इंद्रजाल भी पड़ी हुयी थी। लोगों की सूचना पर कोतरा रोड़ पुलिस में मामला दर्ज किया गया और पुलिस को इस अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाने में काफी मशक्कत की यह उनकी इंन्वस्टीगेशन का ही कमाल था की एक झोले व किताब के सहारे एक एक कड़ी को पिरोते हुये उन्होने मामले पर छायी रहस्य की परतों को उधेड़ कर आरोपी को गिरफ्तार किया। अनेक गवाहो पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार मामला दोषसिध्द पाया गया और विध्दान न्यायाधीश ने इस दिल दहला देने वाले हत्याकांड का फैसला सुनाया। विवेचना के दौरान मृतक की बहन व मां के बयानों की अहमित रही जिन्होने बताया की पिता ने बालक की हत्या के पूर्व शाम मोबाईल से उसकी मां से बात करायी तथा रात को सब साथ सोये थे। सुबह उसकी बहन ने देखा तो चंदन व उसके पिता गायब थे। अंतिम बार भी बालक को उसके पिता के साथ लोगों ने देखा था जिससे उससे कड़ाई से पूछताछ की गयी और पूजा पाठ में मग्न रहने की जानकारी के आधार पर पिता पर शक का दायरा जकड़ता गया, परंतु गवाहो व साक्ष्यो को जुटाना इतना आसान नहीं था फिर भी पुलिस की विवेचना ने कामयाबी हासिल हुई, और फैसला आया।

युवती से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

न्यायसाक्षी@रायगढ़। युवती को शादी का झांसा देकर दैहिक शोषण करने के पश्चात उसे छोड़ कर भाग जाने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हैं। यह मामला ग्राम छेडोरिया थाना घरघोडा का हैं, जहाँ, 20 वर्षीय बालिका द्वारा कल थाना घरघोडा में गांव के सतीश राठिया के विरुद्ध दिनांक 12 मई को घर से भगा ले जाकर शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक संबंध बनाने की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। सतीश राठिया विवाहित है तथा एक बच्चे का पिता है । सतीश राठिया पीडित युवती से प्रेम संबंध की बातें कर शादी करूंगा यदि मेरा साथ नहीं दोगी तो जहर खाकर आत्महत्या कर लूंगा, कहकर दबाव बनाता था 11मई की शाम भी उसने युवती पर दबाव बनाते हुए बोला कि अगर मेरे साथ नहीं चलोगी तो मैं जहर खाकर मर जाऊंगा और 12 मई की रात युवती को घर से भगा ले जाकर ताईमाल गांव में एक घर में रखकर शादी करूंगा कहकर शारीरिक संबंध बनाया तथा 13 मई की शाम युवती को गांव के बाहर छोड़कर भाग गया। युवती के रिपोर्ट पर सतीश राठिया के विरुद्ध थाना घरघोड़ा में धारा 366,376 भा.दं.वि. दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लिया गया है जिसकी गिरफ्तारी की औपचारिकताएं पूर्ण कर शीघ्र न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा जावेगा ।

50 साल की महिला से छेड़छाड़, मामला दर्ज - युवक फरार

न्यायसाक्षी@रायगढ़। सरिया में रहने वाली 50 वर्षीय महिला द्वारा थाना सरिया में फाल्स सिलिंग का काम करने वाले वकील अहमद शेख मुकीम अहमद शेख, शिवाजी नगर गोवंडी पश्चिम मुंबई द्वारा 15 मई की शाम घर पर छेड़छाड़ करने की रिपोर्ट दर्ज करायी है। महिला के लड़के के व्यवसाय के माध्यम से पीडित महिला एवं वकील अहमद शेख एक दूसरे को जानते थे। वकील अहमद शेख फाल्स सिलिंग में लगने वाली सामग्री पीड़िता के लड़के के पास से 9 लाख रूपये में खरीदी किया था, जिसका 4 लाख रूपये वकील अहमद दे चुका था, 5 लाख रूपये देना बाकी था। 14 मई को वकील अहमद मुम्बई से रायगढ़ ट्रेन से आने की बात पीड़िता के लड़के को बोला तब वकील को लेने इसका लड़का रायगढ़ स्टेशन गया किन्तु वकील अभी नहीं आ रहा हूं कहकर फोन से बताया और दूसरे दिन शाम को महिला के घर पहुंच गया उस समय महिला घर पर अकेली थी। वकील को बैठने के लिये बोल कर किचन में चाय बनाने गई, तो वकील अहमद भी पीछे पीछे गया और महिला को अकेली देखकर उसे धर-पकड़ करने लगा, महिला के शोर मचाने पर वकील अहमद भाग गया । घटना के संबंध में पीडिता के रिपोर्ट पर धारा 354,34 भा.दं.वि. वकील अहमद के विरूद्ध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है ।

महिला ने घर में लगाई फांसी

न्यायसाक्षी@रायगढ़। बरमकेला क ग्राम हिरी मे रहन वाला पद्मिनी उर्फस्मिता महापात्र कल अपने घर में साड़ी से फांसी लगा ली। सूचना मिलने पर थाना बरमकेला में मामला दर्ज किया गया। घर पर पद्मिनी अकेली थी जो साड़ी से घर पर फांसी लगा ली, जिससे उसकी मौत हो गई। मर्ग पंचानामा कार्यवाही की गयी।

भारत समेत 99 देशों के 75000 कंप्यूटर पर रैंसमवेयर का साइबर हमला

हैकर्स मांग रहे हैं 300-600 डॉलर तक की फिरौती

सिएटलः भारत समेत करीब 100 देश अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी से चोरी किए गए साइबर हथियारों की मदद से व्यापक स्तर पर किए गए साइबर हमले का शिकार हुए हैं। विशेषज्ञों ने इस बात का दावा किया है अमेरिका के मीडिया संस्थानों ने कहा कि सबसे पहले स्वीडन, ब्रिटेन और फ्रांस से साइबर हमले की खबर मिली।

सुरक्षा सॉफ्टवेयर कंपनी अवेस्ट ने बताया कि मालवेयर की गतिविधि बढ़ने की बात शुक्रवार 12 मई को पता चली। कंपनी ने कहा कि यह जल्द ही व्यापक स्तर पर फैल गया,, कंपनी ने कहा कि कुछ ही घंटों में विश्वभर में 75000 से अधिक हमलों का पता चला। इस बीच मालवेयरटेक ट्रैकर ने पिछले 24 घंटों में 1,00,000 सिस्टमों का पता लगाया जो इस हमले का शिकार हुए हैं। कैस्परस्की लैब के सुरक्षा अनुसंधानकर्ताओं ने ब्रिटेन, रूस, यूक्रेन, भारत, चीन, इटली और मिस्र समेत 99 देशों में 45,000 से अधिक हमले दर्ज किए, स्पेन में दूरसंचार कंपनी टेलीफोनिया समेत बड़ी कंपनियां इस हमले का शिकार हुई। सबसे विध्वंसक हमले ब्रिटेन में दर्ज किए गए, जहां कम्प्यूटर के डेटा तक नहीं पहुंच पाने के बाद अस्पतालों एवं क्लीनिकों को मरीजों को वापस भेजना पड़ा।

गृह सुरक्षा विभाग के तहत अमेरिका कम्प्यूटर इमरजेंसी रेडीनेस टीम यूएससीईआरटी ने कहा कि उसे विश्व भर के कई देशों में वॉनाक्राई रैन्समवेयर इन्फेक्शन की कई खबरें मिली हैं।

हालांकि उसने यह नहीं बताया कि कौन कौन से देश इस हमले का शिकार हुए हैं।

माइक्रोसॉफ्ट की एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी को इन खबरों की जानकारी है और वे स्थिति की जांच कर रहे हैं। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने कहा कि हमलों के लिए जिम्मेदार मैलवेयर डेटा को इनस्क्रिप्ट, लॉक कर देता है और फिरौती नहीं मिलने तक इसे लॉक रखता है।

समाचार पत्र ने कहा वॉनाक्राई या वॉना डिक्रिप्टर के नाम से जाना जाने वाला तथाकथित रैन्समवेयर प्रोग्राम माइक्रोसॉफ्ट विंडो सिस्टम्स की कमजोरियों का लाभ उठाकर घुसता है। फेडएक्स कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह साइबर हमले को बुरी तरह शिकार हुई है। उसने कहा, कई अन्य देशों की तरह फेडएक्स के कुछ विंडोज आधारित सिस्टम में मालवेयर के कारण वायरस घुस आया है।

कंपनी ने कहा, हम इसे ठीक करने के लिए जल्द से जल्द कदम उठा रहे हैं। सिक्योरिटी फर्म स्पलंक में खतरा अनुसंधान के निदेशक रिच बर्जर ने कहा, इस घटना से दुनिया में सभी को सतर्क हो जाना चाहिए। जिन माध्यमों से इसे अंजाम दिया गया है और इसका जो प्रभाव पड़ा है, वह अभूतपूर्व है। गृह सुरक्षा विभाग, डीएचएस ने कहा कि वह इस घटना संबंधी सूचना सक्रिय रूप से साझा कर रहा है और अमेरिका एवं अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तर पर हमारे साझेदारों की आवश्यकता के अनुसार तकनीकी समर्थन एवं सहयोग मुहैया कराने के लिए तैयार खड़ा है।

उसने एक बयान में कहा कि डीएचएस के पास साइबर सुरक्षा पेशेवरों का एक कैडर है। शैडो ब्रोकर्स नाम के एक समूह ने एक डंप के माध्यम से 14 अप्रैल को इस मालवेयर को ऑनलाइन उपलब्ध कराया था। इस समूह ने पिछले साल एनएसए से साइबर हथियार चुराने का दावा किया था। इस बात को लेकर संदेह जताया जा रहा था कि कहीं यह समूह हैक किए गए साइबर हथियारों के बारे में बढ़ा चढ़ा कर तो नहीं बता रहा।

व्हिसल ब्लोअर एड्वर्ड स्नोडेन ने वैश्विक साइबर हमला नहीं रोकने के लिए एनएसए को जिम्मेदार ठहराया है। स्नोडेन ने कहा, चेतावनियों के बावजूद, एनएसए ने हमले के लिए घातक टूल्स बनाए जो पश्चिमी सॉफ्टवेयर को निशाना बना सकते थे। आज हम इसका खामियाजा भुगत रहे हैं।

उन्होंने कहा, यदि एनएसए ने अस्पतालों में हमले के लिए इस्तेमाल हुई इस त्रुटि के खोने पर नहीं बल्कि उसके मिलने पर ही निजी रूप से इसके बारे में बता दिया होता तो शायद ऐसा नहीं होता। कुछ साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने कहा है कि इस बड़े हमले ने बचाव के बजाए हमले के लिए अधिक साइबर संसाधनों को समर्पित करने के अमेरिका के दोषपूर्ण दृष्टिकोण को दर्शाया है।

उनका तर्क है कि यह दृष्टिकोण इंटरनेट को कम सुरक्षित बनाता है।

क्या है ये रैन्सयवेयर?

रैन्समवेयर एक ऐसा सॉफ्टवेयर है जिससे एक कम्प्यूटर में वायरस घुस जाता है और यूजर तब तक इसमें मौजूद डेटा तक नहीं पहुंच पाता जब तक कि वह इसे अनलॉक करने के लिए रैन्सम फिरौती नहीं देता। रैन्समवेयर यूजर को उनकी फाइल तक पहुंच मुहैया कराने के लिए बिटकॉइन के जरिए 300 डॉलर की फिरौती मांगता है। यह चेतावनी देता है कि एक निश्चित समय के बाद भुगतान की राशि बढ़ा दी जाएगी। यह मालवेयर ईमेल के जरिए फैलता है। यूएससीईआरटी ने कहा कि व्यक्ति और संगठनों से फिरौती नहीं देने की अपील की जाती है क्योंकि इसके बाद भी यह गारंटी नहीं है कि वह अपने कम्प्यूटर के डेटा को खोल पाएंगे। इसके अनुसार जब कोई सॉफ्टवेयर पुराना होता है या फिर अनपैच्ड ; सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण ताजा कम्प्यूटर प्रोग्राम से विहिनद्ध होता है तो रैन्समवेयर उस पर आसानी से हमला कर सकता है।

इसरो जून में सबसे भारी रॉकेट छोड़ने की तैयारी में

12 सालों की मेहनत का नतीजा

इसरो जून में सबसे भारी रॉकेट छोड़ने की तैयारी में - **चेन्नईः** दक्षिण एशिया उपग्रह के सफल प्रक्षेपण से उत्साहित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो, अब अपने सबसे भारी रॉकेट जीएसएलवी मार्क-3 को छोड़ने की तैयारी में जुट गया है। इसरो द्वारा निर्मित यह अब तक का सबसे वजनी रॉकेट है, जिसका वजन 640 टन है, इस रॉकेट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि रॉकेट के मुख्य व सबसे बड़े क्रायोजेनिक इंजन को इसरो के वैज्ञानिकों ने भारत में ही विकसित किया है। जो पहली बार किसी रॉकेट को उड़ने की शक्ति प्रदान करेगा। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र के निदेशक के सिवन ने कहा, हमारी 12 वर्षों की मेहनत अगले महीने रंग लाएगी, जीएसएलवी मार्क-3 द्वारा संचार उपग्रह जीसैट-19 को श्रीहरिकोटा से जून में छोड़ने की तैयारी चल रही है। सिवन ने कहा, सभी अधिकारी इस प्रक्षेपण अभियान की सफलता को लेकर आश्वस्त हैं। इसके लिए स्ट्रैप-ऑन मोटर और प्रमुख इंजन को जोड़ा गया है। रॉकेट के प्रक्षेपण में हुए विलंब को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में सिवन ने कहा, चूंकि यह एक नया रॉकेट है, इसलिए हम प्रक्षेपण से पहले पर्याप्त जांच कर लेना चाहते है, इसीलिए रॉकेट के प्रक्षेपण में थोड़ा विलंब हो रहा है। पहले यह रॉकेट मई के अंत में छोड़ा जाना था। सिवन के अनुसार जून के प्रथम सप्ताह में जीएसएलवी मार्क-3 अपनी पहली उड़ान भरेगा, रॉकेट के साथ छोड़ा जाने वाला संचार उपग्रह जीसैट-19 लगभग 3.2 टन वजनी है। यह किसी घरेलू स्तर पर निर्मित रॉकेट से छोड़ा जाने वाला अब तक का सबसे वजनी उपग्रह होगा। प्रक्षेपण के लिए जीसैट-19 श्रीहरिकोटा पहुंच चुका है। सिवन ने कहा, इस रॉकेट की क्षमता चार टन तक वजनी उपग्रहों को अंतरिक्ष में ले जाने की है। इसकी डिजाइन इसी लिहाज से बनाई गई है। जीएसएलवी मार्क-3 के जरिए भविष्य में इससे भी वजनी उपग्रह छोड़े जाएंगे। इसरो के अनुसार, जीसैट-19 बहुतरंगी उपग्रह है, जो का और कू बैंड वाले ट्रांसपोंडर्स अपने साथ लेकर जाएगा। इस उपग्रह की उम्र 15 वर्ष होगी। इसरो इससे पहले 2014 में बिना क्रायोजेनिक इंजन वाला इसी तरह का रॉकेट छोड़ चुका है, जो 3.7 टन भार ले जाने में सक्षम था। सिवन ने कहा, इस प्रक्षेपण का मुख्य उद्देश्य उड़ान के दौरान रॉकेट के संरचनात्मक स्थिरता और उसकी गतिकी का परीक्षण करना है। उड़ान के दौरान रॉकेट वायुमंडल में विभिन्न तरह के दबावों से गुजरता है। सिवन ने कहा, 2014 में हमारा अभियान सफल रहा था। रॉकेट ने अपेक्षा के अनुरूप काम किया। लेकिन हमें उस प्रक्षेपण से पता चला कि रॉकेट की बाहरी संरचना और गतिकी में सुधार की जरूरत है। नए रॉकेट के हीट शील्ड के आकार को हमने बदला है और स्ट्रैप-ऑन मोटर में भी मामूली बदलाव किया गया है। जीएसएलवी मार्क-3 अभियान के पूर्व परियोजना निदेशक सोमनाथ ने कहा कि 2014 के अभियान से मिले आंकड़ों ने इसरो को रॉकेट का भार 20 फीसदी घटाने में मदद की। सोमनाथ ने कहा, रॉकेट के इंजन, खासकर जीएसएलवी मार्क-3 के क्रायोजेनिक इंजन, को डिजाइन तैयार करना महज जीएसएलवी मार्क-2 के क्रायोजेनिक इंजन में सुधार करने जैसा नहीं है, जीएसएलवी मार्क-3 के क्रायोजेनिक इंजन का भार मार्क-2 की अपेक्षा दोगुना है।

विज्ञान समाचार Science News

अंतरिक्ष विज्ञान में योगदान श्रीनिवास कुलकर्णी डैन डेविड से पुरस्कृत

तेल अवीवः भारतीय वैज्ञानिक श्रीनिवास कुलकर्णी को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रतिष्ठित डैन डेविड पुरस्कार के लिए चुना गया है। कुलकर्णी पासाडीना स्थित कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में एस्ट्रोफिजिक्स एंड प्लेनेटरी साइंस के प्रोफेसर हैं। इन्हें विशेष तौर पर पैलोमर ट्रेन्ज़िट फैक्ट्री के संचालन के लिए जाना जाता है। यह रात के समय आकाश के एक बड़े क्षेत्र का सर्वेक्षण है, जो कि अस्थिर एवं क्षणिक सिद्धांतों की खोज के लिए किया गया। इस सर्वेक्षण के कारण आकाश में होने वाली क्षणिक घटनाओं के बारे में जानकारी को विस्तार मिला। डैन डेविड फाउंडेशन की ओर से दिए जाने वाले इस पुरस्कार में 10 लाख डॉलर दिए जाते हैं। इस संस्था का मुख्यालय तेल अवीव विश्वविद्यालय में है। कुलकर्णी से पहले लेखक अमिताभ घोष, संगीतकार जुबिन मेहता और जाने-माने रसायनशास्त्री सी.एन.आर. राव को यह पुरस्कार मिल चुका है। यह पुरस्कार 21 मई को पूर्व विजेताओं की मौजूदगी में दिया जाएगा। हर साल अतीत, वर्तमान और भविष्य की श्रेणी में तीन डैन डेविड पुरस्कार दिए जाते हैं, जिनमें प्रत्येक विजेता को 10 लाख डॉलर दिए जाते हैं। ये पुरस्कार उन लोगों को दिए जाते हैं, जिन्होंने विज्ञान, मानविकी या नागरिक समाज में अपने काम के जरिए अदभुत योगदान दिया है।

नासा के मार्स रोवर ने लीं प्राचीन घाटी की तस्वीरें

वाशिंगटनः नासा के मार्स रोवर ने एक ऐसी प्राचीन घाटी की तस्वीरें लेकर भेजी हैं, जो संभवतः एक बड़े गड्ढे के रिम के अंदर बनी ढलान पर बहते हुए पानी से बनी होगी।

नासा का मार्स एक्सप्लोरेशन रोवर ऑप्च्युनिटी मई की शुरूआत में जब अपने विस्तारित अभियान के मुख्य गंतव्य स्थल प्रीजेवेरेंस वैली के ऊपरी छोर पर पहुंचा तो कैमरों ने इलाके के विभिन्न हिस्सों की तस्वीरें उच्चतम रेजोल्यूशन के साथ दिखानी शुरू कर दीं।

ऑप्च्युनिटी परियोजना के वैज्ञानिक और नासा की जेट पर्पलशन लेबोरेटरी के मैट गोलोमबेक ने कहा, इस क्षेत्र को बेहद करीब से देखकर वैज्ञानिक दल बेहद उत्साहित हैं यह दल अब उन संकेतों को खोज रहा है, जिनके जरिए घाटी के निर्माण के बारे में चर्चित विभिन्न सिद्धांतों के बीच भेद किया जा सकता है।

एलियन होने की सम्भावना

लंदनः पृथ्वी से करीब 4.2 प्रकाशवर्ष दूर हमारे सबसे करीबी तारे प्रोक्सिमा सेंटौरी की कक्षा में चक्कर लगा रहे पृथ्वी जैसे एक ग्रह में पानी और एलियन का जीवन होने की संभावना हो सकती है। ग्रह प्रोक्सिमा बी की खोज पिछले साल अगस्त में हुई थी और यह पृथ्वी के बराबर आकार का बताया जाता है। जिससे इस संभावना को बल मिला है कि इस पर पृथ्वी जैसा पर्यावरण होगा। ब्रिटेन में यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर के वैज्ञानिकों ने इस ग्रह पर जलवायु की संभावना खोजने के लिए अपने शुरुआती कदम उठाए हैं।

137 सालों में दूसरा सबसे गर्म महीना रहा अप्रैल : नासा

न्यूयॉर्कः नासा ने कहा कि औसत वैश्विक तापमानों के आधुनिक रिकार्ड के मुताबिक गत महीना 137 साल में दूसरा सबसे गर्म अप्रैल था। पिछले दो साल के दौरान अप्रैल में सबसे ज्यादा तापमान दर्ज किया गया। गत महीने तापमान 1951-1980 से औसत अप्रैल तापमान के मुकाबले 0.88 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म था। अप्रैल 2016 रिकॉर्ड में सबसे गर्म रहा था। पिछले साल तापमान अप्रैल औसत तापमान के मुकाबले 1.06 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म था। अप्रैल 2017 का तापमान अप्रैल 2016 की तुलना में 0.18 डिग्री सेल्सियस ठंडा था। पिछले महीने अप्रैल तीसरे सबसे गर्म अप्रैल से थोड़ा ज्यादा गर्म था। तीसरा सबसे गर्म अप्रैल 2010 में था और उस समय वह औसत से 0.87 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म था। आधुनिक वैश्विक तापमान रिकार्ड रखना करीब 1880 से शुरू किया गया, क्योंकि इससे पहले पृथ्वी के कई हिस्सों के तापमान का रिकार्ड नहीं रखा गया था।

पहली उड़ान में नहीं भेजेगा अंतरिक्ष यात्री नासा

वाशिंगटनः स्पेस लॉन्च सिस्टम एसएलएस, रॉकेट और ओरियन अंतरिक्षयान की पहली एकीकृत उड़ान में नासा अंतरिक्ष यात्रियों को नहीं भेजेगा। यह प्रक्षेपण इंसानों को सुदूर अंतरिक्ष और फिर मंगल पर ले जाने वाले अन्वेषण अभियानों का हिस्सा है। फरवरी में नासा ने अपने अन्वेषण अभियान-1 या ईएम-1 के लिए, एसएलएस रॉकेट और ओरियन के पहले प्रक्षेपण में चालक दल को भेजने की व्यवहार्यता परखने का प्रयास शुरू किया था। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि आंकड़ों को मापने और सभी परिणामों के आकलन के बाद नासा पहले प्रक्षेपण के लिए मूल योजना पर काम करना जारी रखेगा। इसके तहत एकीकृत प्रणालियों का उड़ान परीक्षण चालक दल के बिना किया जाना है। नासा ईएम-1 अभियान के लिए लक्षित प्रक्षेपण तिथि को वर्ष 2019 में रखेगा और आधिकारिक तौर पर संशोधित तिथि निकालने की सामान्य प्रक्रिया को आगामी हफ्तों में पूरा करेगा।